लखनऊ शिखर सम्मलेन 2025

साहित्य एवं पर्यावरण अध्ययन पर्यान्वीक्षण संस्थान (EFSLE)

एवम्

नेशनल पीजी कॉलेज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

के संयुक्त तत्वाधान में

तीन-दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मलेन

का आयोजन किया जाना है

जलवायु परिवर्तन और भू-राजनीति

(प्रवर्धित पारिस्थितिकीय विकारों की उत्पत्ति एवम् विस्तारण)

तीसरे ईएफएसएलई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (लखनऊ शिखर सम्मेलन 2025) का उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के लिए जिम्मेदार स्थायी भू-राजनीतिक स्तर के प्रभावों की जांच करना और इसके संभावित समाधानों का पता लगाना है। एक बहु-विषयक और अंतर्विषयक सम्मेलन होने के नाते, सभी धाराओं के मूल शोध पत्रों को ऐसे गंभीर मुद्दों पर चर्चा करने के लिए आमंत्रित किया जाता है जो बड़े पैमाने पर एक-दूसरे से सम्बद्ध हों और विशेष रूप से निम्नलिखित उप-विषयों पर केन्द्रित हों (लेकिन इन तक सीमित नहीं):

दिनांक : दिसंबर 19-21, 2025
समय : 10 पूर्वा. - 5 अप.
स्थान : नेशनल पीजी कॉलेज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, भारत

उप-विषय:

1. मानव युग (एंथ्रोपोसिन) में भू-राजनीतिः एक अभिशाप
2. भू-राजनीति, भूमंडलीकरण और पर्यावरणीय संकट
3. जलवायु परिवर्तन और राजनीतिक भूगोल की प्रकृति पर पुनर्विचार
4. साहित्यिक मानचित्रणः संज्ञानात्मक मानचित्रण, स्थानिकता और वास्तुकलात्मक आख्यायिकाएँ
5. सतत् एवम् विस्तृत पर्यावरण-पर्यटन और सांस्कृतिक पर्यटन: जलवायु परिवर्तन से संबंधित इन सभी पर्यावरणीय-सांस्कृतिक विशेषताओं की पारिस्थितिकीय व्याख्या
6. कुम्भ और सांस्कृतिक पर्यावरणीय-चेतना
7. जलवायु परिवर्तन के विशेष संदर्भ में नगरीय एवम् धार्मिक पर्यालोचन
8. विश्व साहित्य और जलवायु परिवर्तन
9. पारिस्थितिकीय आख्यायिकाएँ, स्वदेशीता और जलवायु परिवर्तन
10. जलवायु-गल्प (क्लाई-फाई), प्राकृतिक परिदृश्य और पर्यावरणीय संकट
11. पर्यावरणीय-काव्य, पर्यावरणीय-नाट्यकला और जलवायु परिवर्तन-रंगमंच एवम् आलोचना
12. पर्यावरणीय-शिक्षाशास्त्र, पर्यावरणीय-नैतिकता और पर्यावरण संरक्षण
13. भारतीय ज्ञान परम्परा में जलवायु परिवर्तन संबंधी परिचर्चा एवम् पुनरावलोकन
14. पर्यावरण संरक्षण के सामाजिक-मनोवैज्ञानिक पहलु
15. जलवायु परिवर्तन और सामाजिक प्रतिक्रियाएं: एक सामाजिक परिप्रेक्ष्य
16. जलवायु परिवर्तन और संसाधनों की कमी, विस्थापन और संघर्ष
17. जलवायु क्रियाकलाप, सतत विकास और विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड)
18. वैश्विक राजनीति और जलवायु परिवर्तन की समीक्षा
19. संगीत शास्त्र, नृजातीय-संगीत शाख, लोक संगीत और पर्यावरणीय-संगीत शाखः जलवायु परिवर्तन की दिशा में एक विशिष्ट संवाद
20. जलवायु ज्यामिति और भू-अभियांत्रिकी
21. जलवायु-संरक्षित कृषि और कृषि-वानिकी
22. पुनरुत्पादित कृषिः स्वदेशी ज्ञान युक्त प्रकृति-आधृत समाधान
23. नियंत्रित पर्यावरण कृषि (सीईए), कृषि-पारिस्थितिकी और सौर-खेती

अंग्रेजी में पुस्तक दो भागों में ब्लूम्सबरी, यू.एस.ए. द्वारा उनकी *पर्यावरण और समाज पुस्तक शृंखला* में प्रकाशित की जाएगी। हिन्दी में अंतरिम रूप से चुने गए शोधपत्रों को आईएसबीएन संख्या (ISBN No.) वाले एक संपादित पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया जाएगा।

- **संक्षिप्त प्रपत्र (Abstract) जमा करने की अंतिम तिथि: 15 सितम्बर 2025**
- **पांच (5) बीजशब्दों सहित 300 शब्दों के संक्षिप्त प्रपत्र को md@efsle.org पर मेल किया जाना चाहिए।**

The Lucknow Summit 2025

Scan for the Registration

आयोजन समितिः

संरक्षकः प्रो. (डॉ.) देवेंद्र कुमार सिंह, प्राचार्य, नेशनल पीजी कॉलेज, लखनऊ

संयोजकः प्रो. (डॉ.) सिद्धार्थ सिंह, अंग्रेजी विभाग, श्री जेएनएमपीजी कॉलेज, लखनऊ, क्षेत्रीय सचिव- उत्तर-पूर्वी क्षेत्र, ईएफएसएलई, मोबाइल: 00-91-8423604010

आयोजन सचिवः प्रो. (डॉ.) पी. के. सिंह, विभागाध्यक्ष, भूगोल विभाग और पीजीडीआरएस, एनपीजीसी, लखनऊ, मुख्य समन्वयक, उत्तर प्रदेश मध्य-दक्षिणी परिषद्, ईएफएसएलई, मोबाइलः 00-91-9839930999

सह-संयोजकः डॉ. ऋषिकेश कुमार सिंह, अध्यक्ष, ईएफएसएलई, नई दिल्ली मोबाइलः 00-91-9205037771

डॉ. किरण भैरनवर, एसोसिएट प्रोफेसर, भूगोल विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय तथा सचिव, ईएफएसएलई, मोबाइलः 00-91-8800411949

पंजीकरण अथवा अन्य जानकारी हेतु QR कोड स्कैन करें या वेबसाइट देखें: www.efsle.org